

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी का जेन-जी संवाद

धुरंधर के गाने पर एंट्री: अगले साल 7 राज्यों में चुनाव

इनमें 22फीसदी वोटर जेन-जी, यूपी में सबसे ज्यादा

एजेंसी
वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और ध्रामक बातों से बचने की अपील की। पीएम ने कहा, 'लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना।' मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के



आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'जी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर'

का गाना 'आरी आरी' भी बजा। जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के बाद बीजेपी का पूरा फोकस जेन-जी वोटर्स पर

नवसारी में पीएम ने बीजेपी कार्यालय का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री वडोदरा में अपना कार्यक्रम पूरा करने के बाद नवसारी पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग ग्रिड के पास स्थित भाजपा के पहले एआई-बेस्ड कार्यालय 'नमो कमलम' का उद्घाटन किया।

पीएम ने कहा- वडोदरा का वीडियो देखकर सीना चौड़ा हो गया

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं कल एक वीडियो देख रहा था। क्या ही मेरा वडोदरा है, सीना चौड़ा हो गया। पिछले एक हफ्ते से स्वच्छता का वातावरण बन गया है। जब गणेशजी पधारेंगे तो सारे आशीर्वाद वडोदरा पर बरसने वाले हैं। इस बार लाल किले से संकल्प की सप्तधारा का आह्वान किया था। विकसित भारत के लिए हमें ऐसी कनेक्टिविटी चाहिए, जो सुगम और जमाने के हिसाब से तेज भी हो।'

व्लादिमीर पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच होगी द्विपक्षीय वार्ता

ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने आ रहे रूस राष्ट्रपति

एजेंसी
नई दिल्ली। ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नई दिल्ली आएंगे। वह शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि रूस ब्रिक्स सम्मेलन में सुरक्षा, आर्थिक, वित्तीय और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के तहत सहयोग के विभिन्न स्वरूपों में शामिल होने के लिए नए देशों को

आमंत्रित करने के विचार का समर्थन करता है।
शांति कीव पर निर्भर करती है - रूस
इस दौरान उन्होंने यूक्रेन से शांति को लेकर भारत की मदद से जुड़े सवाल पर कहा कि यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों में रूस भारत के योगदान की इच्छा का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि रूस किसी भी समय शांति की राह अपनाने को तैयार है, लेकिन यह कीव पर निर्भर करता है। रूस शांतिपूर्ण तरीकों से यूक्रेन युद्ध को सुलझाने की प्रक्रिया के लिए तैयार है।

पीजी इमारत हादसा: माता-पिता जेल, बेटा रिमांड पर

ठेकेदार भी गिरफ्तार, महेश ने किए हॉस्टल डेज को लेकर कई खुलासे

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सत्य निकेतन पीजी इमारत हादसे के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी हरिराम और उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं, मामले की आगे की जांच के लिए तीसरे आरोपी बेटे महेश को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।
ठेकेदार कासगंज से गिरफ्तार
इस मामले में एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए पुलिस ने फरार चल रहे लेबर कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) सनोज को उत्तर प्रदेश के कासगंज से पकड़ लिया है।

विस्तृत पूछताछ के लिए उसे लाया जा रहा है।

जानकारियां दी हैं। महेश ने बताया कि वह अपने माता-पिता (हरिराम



पुलिस पूछताछ में महेश ने किए अहम खुलासे
पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी महेश ने कई अहम

और उर्मिला) की ओर से इस पूरी इमारत के रखरखाव का काम संभालता था। अगस्त 2025 में इस इमारत को 'हॉस्टल डेज'

नामक पीजी संचालकों को लीज पर दिया गया था।

हादसे के बाद राजस्थान भाग गया था परिवार

आरोपी महेश ने बताया कि घटना वाले दिन उन्हें स्थानीय लोगों के जरिए इमारत ढहने की जानकारी मिली थी। पुलिस की कार्रवाई के डर से पूरा परिवार तुरंत अपना घर छोड़कर राजस्थान के भिवाड़ी स्थित महेश के ससुराल भाग गया था और वहीं छिपा हुआ था।

'दिल्ली बिल्डिंग हादसे के बाद अब पूरे देश में होगी असुरक्षित इमारतों की जांच'

सुप्रीम कोर्ट 10 सितंबर को करेगा सुनवाई

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने की घटना के मद्देनजर पूरे देश में इमारतों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की जांच करने पर विचार कर रहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने मामले पर यह भी कहा कि वह सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को दिल्ली हाईकोर्ट से अपने पास ट्रांसफर करने पर विचार करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हमारे मन में पहले से यह योजना

है कि पूरे देश में ऐसी जांच होनी चाहिए। हम इसे (दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही याचिका को) यहां ट्रांसफर करवा सकते हैं। हम इस मामले पर परसों यानी 10 सितंबर को सुनवाई करेंगे।' कोर्ट का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कोर्ट की ओर से नियुक्त एमिकस क्युरी (न्याय मित्र) और सीनियर एडवोकेट अजीत कुमार सिन्हा ने इस मुद्दे पर एक याचिका का जिक्र किया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी जिसमें देश भर के प्राइवेट पीजी अक्रोमोडेशन, हॉस्टल और छात्रों के रहने की अन्य सुविधाओं के निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई थी।

दुर्गा पूजा में मछली-मांस पर बागेश्वर बाबा की सलाह से बंगाल में बवाल

कांग्रेस ने दर्ज की एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी
कोलकाता। दुर्गा पूजा से पहले बागेश्वर धाम के प्रमुख पुजारी धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की पश्चिम बंगाल में मछली और मांस खाने को लेकर दिए गए बयान ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए एफआईआर और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक

भट्टाचार्य ने शास्त्री के बयान से पार्टी को अलग करते हुए कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है। हाल



ही में लिलुआ में आयोजित एक कार्यक्रम में धीरेन्द्र शास्त्री ने लोगों से दुर्गा पूजा के दौरान मछली और मांस न पकाने और न खाने की अपील की थी। उन्होंने ऐसे भोजन

का सेवन करने वालों को कथित तौर पर 'पाखंडी' बताया था। उनके इस बयान के बाद बंगाल में राजनीतिक दलों और विभिन्न वर्गों की ओर से प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। कांग्रेस का आरोप है कि शास्त्री की टिप्पणी केवल खान-पान तक सीमित नहीं थी, बल्कि

इसमें बंगाली पहचान और संस्कृति को लेकर भी विभाजनकारी बातें कही गईं। पार्टी ने कहा कि बंगाल की अपनी अलग सामाजिक, सांस्कृतिक और खान-पान की परंपराएं हैं और किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा इन्हें लेकर अपसिजनक टिप्पणी करना सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकता है। दक्षिण कोलकाता जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद ने भवानीपुर थाने में शिकायत देकर धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की। वहीं, मध्य कोलकाता जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानस सरकार ने भी कोलकाता पुलिस को ईमेल के जरिए इसी तरह की शिकायत भेजी।

यूपी सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का बढ़ाया मानदेय

अब मिलेगा 12000 और साड़ी के लिए अतिरिक्त पैसे

एजेंसी
कोलकाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया है। सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 8000 से बढ़ाकर 12000 रुपये और सहायिका का 6000 रुपये से बढ़ाकर 8000 रुपये कर दिया है। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या में एक कार्यक्रम के दौरान यह मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र भी दिया है। इसके साथ ही उन्हें 5 लाख रुपये का हेल्थ इश्योरेंस कवर की

सुविधा भी दी जाएगी। इसके साथ ही अतिरिक्त साड़ी के लिए भी पैसे दिए जाएंगे।

योगी ने सपा पर बोला हमला
सीएम योगी ने इस मौके पर



उन्होंने कहा कि पहले आंगनबाड़ी केंद्र वीरान पड़े रहते थे और केंद्र से भेजा गया पैसा सपा सरकार के लोग डकार जाते थे। हमारी सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और उनके काम को बीते 9 साल में व्यवस्थित रूप

दिया। आगे कहा कि सपा के लोगों ने अयोध्या के विकास का विरोध किया। यहां न बिजली थी न ही सड़कें, पर अब अयोध्या सोलर

सिटी बन चुकी है। यहां अब विकास हो रहा है। पहले तीन घंटे ही लाइट आती थी, अब शहर रोशन हो गई है।

प्रदेश में कितनी है आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की संख्या?

प्रदेश में कुल 1.89 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 1.39 लाख सहायिकाएं हैं। सरकार ने हाल में 71,310 पदों पर नई भर्तियां भी पूरी की हैं, जिनमें 21,804 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 49,506 सहायिका शामिल हैं। इन सभी को यानी नए और पुराने कर्मचारियों को बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा।

पहले बढ़ाया रसोइयों का मानदेय

इससे पहले सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में तैनात रसोइयों का मानदेय बढ़ाया था। रसोइयों को पहले 2000 रुपये मिलते थे जिसे सरकार ने बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया है। इसका लाभ 3.53 लाख से अधिक रसोइयों को मिलेगा, जिनमें अधिकतर महिला रसोइयां हैं।

सशस्त्र बलों को खतरों से निपटने के लिए पूरी आजादी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

'सिंधु जल संधि को रोकने से यह साफ संदेश गया कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते'

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों को खतरों का निर्णायक जवाब देने के लिए आजादी और संसाधन दोनों दिए गए हैं, जिसमें दुश्मनों के इलाके में घुसकर उन पर हमला करना भी शामिल है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि शांति और कमजोरी के बीच स्पष्ट अंतर है। उन्होंने कहा कि अगर कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो कोई बातचीत नहीं होगी। इसके बजाय, हमारे रक्षा बल मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि

भारत शांति में विश्वास करता है और युद्ध या किसी इलाके पर कब्जा नहीं चाहता, लेकिन डर से पैदा हुई शांति निंदनीय है, जबकि शांति के लिए लड़ा गया युद्ध



सम्मान के योग्य है। सिंह ने कहा कि दुश्मनों ने कई तरीकों से भारत की सुरक्षा को कमजोर करने की

कोशिश की है, जिसमें जम्मू-कश्मीर में युवाओं को गुमराह करना, भारत-विरोधी गतिविधियों के लिए फंडिंग करना, आतंकवाद फैलाना और समाज में बंटवारा पैदा करना शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पुनर्वास, कट्टरपंथ से दूर करने और रोजगार के अवसर पैदा करके इन मंसूबों को नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर ने अभूतपूर्व प्रगति देखी है। भारत की आतंकवाद-विरोधी रणनीति पर बात करते हुए रक्षा मंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया।

पैलेस या पेरिस? BAPS साधुओं के एफिल टावर दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों को हटाए जाने पर इंटरनेशनल विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पेरिस। बोचासन से अश्वर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था के साधुओं और डेलीगेशन ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में दुनिया भर में मशहूर एफिल टावर का दौरा किया। लेकिन इस दौरे के दौरान लिए गए एक चौकाने वाले फैसले ने अब पूरे यूरोप और सोशल मीडिया पर एक बड़ा इंटरनेशनल विवाद खड़ा कर दिया है। रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि एफिल टावर एडमिनिस्ट्रेटर्स ने वहां काम करने वाली महिला कर्मचारियों को कुछ समय के लिए हटा दिया है ताकि यह पक्का हो सके कि BAPS साधु धार्मिक नियमों और महिला त्याग की परंपरा का पालन करें। स्वामीनारायण संप्रदाय के साधुओं के लिए महिलाओं को छूने और देखने को लेकर सख्त धार्मिक नियम हैं। भिक्षुओं के लिए आना-जाना आसान बनाने के लिए, एफिल टावर चलाने वाली कंपनी ने भिक्षुओं के आस-पास से महिला सिक्योरिटी और दूसरे स्टाफ को हटा दिया और सिर्फ पुरुष स्टाफ को तैनात किया। जैसे ही यह घटना सामने आई, फ्रांस और यूरोप के ह्युमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन और महिला संगठन रेड हो गए हैं। फ्रांस एक ऐसा देश है जहाँ पब्लिक जगहों पर जेंडर इक्वालिटी और सेक्युलरिज्म के वाक्य बहुत सख्त हैं। फ्रेंच मीडिया और नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि धार्मिक मान्यताओं के नाम पर महिला कर्मचारियों को सरकारी या पब्लिक पॉपर्टी पर उनकी ड्यूटी से कैसे हटाया जा सकता है? फ्रांस में पब्लिक जगहों पर धार्मिक खासियत या भेदभाव की इजाजत नहीं है। इस घटना के बाद एफिल टावर चलाने वाली कंपनी के खिलाफ जाँच की माँग हो रही है। आलोचकों का कहना है कि किसी भी ऑर्गनाइजेशन या VIP मेहमानों की धार्मिक मान्यताओं का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन इससे देश के कानूनों और महिलाओं के बराबर अधिकारों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर, पंथ के समर्थकों का कहना है कि यह एक VIP प्रोटोकॉल था और ऑर्गनाइजर द्वारा लिया गया एक लोकल फ़ैसला था, जिसमें भिक्षुओं की सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा का सम्मान किया गया था। हालाँकि, पेरिस जैसे सेक्युलर शहर में महिला कर्मचारियों को पब्लिक जगह पर ले जाने का यह मामला अब ग्लोबल लेवल पर ‘धर्म बनाम महिलाओं के अधिकार’ पर चर्चा का एक बड़ा टॉपिक बन गया है।

स्मोकिंग न करने के बावजूद धुआं अंदर लेने की वजह से हर साल 3.25 लाख से ज़्यादा लोग दम घुटने से मर रहे हैं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। तंबाकू या सिगरेट न पीने के बावजूद सेकंड-हैंड स्मोकिंग की वजह से समय से पहले मरने वाले बेगुनाह लोगों की संख्या अब देश के लिए बहुत चिंताजनक और जानलेवा लेवल पर पहुंच गई है। ‘द लैसेट पब्लिक हेल्थ’ की लेटेस्ट ग्लोबल स्टडी में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़ों के मुताबिक, 1990 से भारत में सेकंड-हैंड स्मोकिंग यानी पैसिव स्मोकिंग की वजह से होने वाली मौतों में लगभग 50’ की भयानक बढ़ोतरी हुई है। अकेले साल 2023 में, भारत में 3,25,600 बेगुनाह लोगों ने सेकंड-हैंड स्मोकिंग की वजह से अपनी जान गंवाई। चीन के बाद दुनिया में भारत दूसरे नंबर पर: 444 मिलियन भारतीय जहरीले धुएँ के संपर्क में लैसेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में सेकंड-हैंड स्मोक से प्रभावित आबादी के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत में 444 मिलियन से ज़्यादा लोग अपने घरों, काम की जगहों या पब्लिक जगहों पर स्मोकिंग न करने के बावजूद दूसरों से निकलने वाले जहरीले धुएँ के संपर्क में आते हैं। पब्लिक जगहों पर स्मोकिंग पर कानून और पारबंदियों के बावजूद, कानून को ठीक से लागू न करने की वजह से आम लोग, खासकर महिलाएं और बच्चे, कैंसर, दिल की बीमारी और सांस की गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। दुनिया भर में, साल 2023 के दौरान, अनुमान है कि 2.71 बिलियन लोग सीधे सेकंड-हैंड स्मोक के संपर्क में आए। इस जहरीली हवा ने दुनिया भर में 1.66 मिलियन लोगों की जान ले ली है और 4.48 ऋक्षुद्ध (डिसेंबिलिटी एडजस्टेड लाइफ इयर्स) का भारी नुकसान हुआ है। दुनिया की आधी से ज़्यादा आबादी जो सेकंड-हैंड स्मोकिंग के संपर्क में आती है, सिर्फ तीन एशियाई देशों—चीन (664 मिलियन), भारत (444 मिलियन) और इंडोनेशिया में रहती है। बाँड़ी, सिगरेट या हुस्के का धुआं हवा में मिलकर आस-पास के लोगों के लिए धीमा जहर साबित हो रहा है। अगर सरकार और प्रशासन पब्लिक जगहों पर स्मोकिंग करने वालों के खिलाफ सख्त सज़ा देने वाली कार्रवाई नहीं करते हैं और लोगों में जागरूकता नहीं फैलाते हैं, तो यह अनदेखा हत्यारा आने वाले दिनों में और भी मासूम जानें लेगा।

सरसपुर-रखियाल रोड पर बुलडोजर एक्शन: AMC के रोड लाइन को सख्ती से लागू करने के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों ने खुद को आइसोलेट करना शुरू कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सरसपुर-रखियाल। 30.50 मीटर रोड लाइन को लागू करने के लिए एस्टेट और शहरी विकास विभाग का सख्त एक्शन: त्रिकमलाल चौराहे से एक्वेस्ट चौराहे तक दबाव हटाने के लिए सिस्टम तेजी से काम कर रहा है अहमदाबाद शहर के नॉर्थ जोन में चुनाव वार्ड नंबर 27 (सरसपुर-रखियाल) इलाके के लोगों के लिए एक बड़ी और जरूरी खबर सामने आई है, जो लंबे समय से ट्रैफिक की दिक्कतों से जूझ रहे हैं। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एस्टेट और शहरी विकास विभाग (नॉर्थ जोन) द्वारा त्रिकमलाल चौराहे से रखियाल चौराहे तक तय की गई 30.50 मीटर रोड लाइन को खोलने का काम अब तेज हो गया है। त्रिकमलाल चौराहे से एक्वेस्ट चौराहे तक सेल्फ-आइसोलेशन (तोड़फोड़) प्रशासन के नोटिस और सख्त निर्देशों के बाद, त्रिकमलाल चौराहे से एक्वेस्ट चौराहे तक रोड लाइन के रास्ते में आने वाले स्ट्रक्चर और दबाव को खुद हटाने (दबाव खुद हटाने) का काम इम्पैक्टर्स ने खुद शुरू कर दिया है। इम्पैक्टर्स निगम के बुलडोजर चलने और बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंचाने से पहले ही अपने स्ट्रक्चर और ढांचे खुद हटा रहे हैं।

ट्रैफिक और डेवलपमेंट की मुश्किल समस्या से आजादी का नया रास्ता

सरसपुर और रखियाल की यह मुख्य सड़क इंस्ट्रुक्चर और रेंजिडेंशियल नजरिए से बहुत अहम है। यहाँ रोजाना हजारों गाड़ियां आती-जाती हैं। सड़क के पतले होने और रोड लाइन में मार्जिन पर कस्ट्रक्शन होने की वजह से रोज ट्रैफिक जाम की भयानक समस्या रहती थी। अब इस 30.50 मीटर रोड लाइन के पूरी तरह खुलने से सड़क चौड़ी हो जाएगी, जिससे गाड़ी चलाने वालों को काफी राहत मिलेगी और एक्सीडेंट का खतरा भी कम होगा। प्रशासन का साफ़ संदेश: रोड लाइन को लागू करने में कोई समझौता नहीं नॉर्थ जोन एस्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारी लगातार साइट पर नजर रख रहे हैं। प्रशासन ने साफ़ चेतावनी दी है कि अगर तय समय में रोड लाइन साफ़ नहीं की गई, तो म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तोड़-फोड़ करने वाली टीम सख्त कार्रवाई करेगी और स्ट्रक्चर को ज़मीन पर गिरा देगी। सरसपुर-रखियाल में शुरू हुआ यह बड़े पैमाने पर काम आने वाले दिनों में पूरे इलाके का नक्शा बदल देगा।

GSRTC का 1000 करोड़ रुपये का वोल्वो रेंटल एग्रीमेंट स्कैम? जनता के टैक्स के पैसे से नेता और अधिकारी अपना पेट भर रहे हैं!

लेकिन प्राइवेट कंपनियों से किराए पर ली जा रही हैं 175 वोल्वो बसें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन आम लोगों की लाइफलाइन है। लेकिन अब यह लाइफलाइन भ्रष्ट अधिकारियों और ताकतवर नेताओं की भूखी निगाहों में आ गई है। कॉर्पोरेशन द्वारा चलाई जा रही 175 लग्जरी वोल्वो और प्रीमियम बसों के रेंटल एग्रीमेंट के नाम पर करोड़ों रुपये का बड़ा स्कैम चल रहा है।

लाखों का महीना किराया: आसान गणित भी भ्रष्टाचार को सामने लाता है

कॉर्पोरेशन इन 175 बसों के लिए हर दिन एक तय मिनिमम किलोमीटर (400 से 500 घड़ हर दिन) का हिसाब लगाकर हर किलोमीटर के हिसाब से बहुत ज्यादा दाम दे रहा है। एक अंदाजे के मुताबिक, कॉर्पोरेशन एक बस के लिए हर महीने 73 लाख से 4.5 लाख किराया देता है। अगर कॉर्पोरेशन बैंक लोन लेकर हर महीने 1.50 से 2 लाख की किश्त देता है, तो सिर्फ 4 से 5 साल में यह पूरी बस स्त्र कॉर्पोरेशन की प्रॉपर्टी बन जाएगी! लेकिन कॉर्पोरेशन अपने पैसे से नई बसें खरीदने के बजाय, सालों तक प्राइवेट कंपनियों को करोड़ों रुपये देता रहता है। अखिर में, सालों बाद भी बस प्राइवेट मालिक के पास ही रहती है और कॉर्पोरेशन का बैंक बैलेंस ज़ीरो हो जाता है! इन 175 बसों के पीछे कौन सा ‘बड़ा मुखिया’ या नेता की कंपनी एक्टिव है? सूत्रों के मुताबिक, कॉर्पोरेशन में चल रहे इस गंदे खेल के पीछे कोई आम ऑपरेटर नहीं है, बल्कि गांधीनगर और मंत्रालय के बड़े रसूखदार नेताओं और रिटायर्ड और काम कर रहे करप्ट अधिकारियों की गुमनाम पार्टनरशिप वाली कंपनियां हैं। नियमों में बदलाव करके एकतरफा शर्तें रखी गई हैं ताकि सिर्फ प्राइवेट एजेंसियां और नेताओं की कंपनियों को ही टेंडर मिलें। जनता के टैक्स के

करोड़ों रुपये सीधे इन नेताओं-अधिकारियों के प्राइवेट खजाने में जा रहे हैं। यह पूरा मामला सिर्फ एडमिनिस्ट्रेटिव चूक नहीं बल्कि जनता के पैसे की खुली चोरी है। गुजरात सरकार को इस मामले में बिना किसी देरी के तुरंत एक इंडिपेंडेंट SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) बनानी चाहिए। इन 175 बसों के सभी रेंटल एग्रीमेंट, किलोमीटर अकाउंट और इसके पीछे BJP/सत्तारूढ़ नेताओं और अधिकारियों की भूमिका की जांच हाई कोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए।

सिस्टम के खिलाफ कड़े सवाल और SIT जांच की जरूरी मांग

1. अगर कॉर्पोरेशन खुद बसें खरीद सकता है, तो हर महीने प्राइवेट कंपनियों को करोड़ों रुपये किराए के तौर पर क्यों दिए जा रहे हैं?

2. 175 वोल्वो बसों का कॉन्ट्रैक्ट किन कंपनियों को दिया गया है और उनके असली मालिक/डायरेक्टर कौन हैं?

3. कॉर्पोरेशन इस करप्ट कॉन्ट्रैक्ट को कैसिल क्यों नहीं करता और खुद नई बसें खरीदकर जनता का पैसा क्यों नहीं बचाता?

टूटी-फूटी छत, टूटी दीवारें और टूटे दरवाज़े! क्या यह स्कूलों की क्वालिटी का नमूना है या किसी जानलेवा मुसीबत का संकेत?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। पण्डेसरा इलाके में ‘संत श्री रघुवरदास गुरु श्री गंगाशरणदास कन्या विद्यालय’ के दृश्य किसी भी नागरिक का दिल दहला देने वाले हैं। टूटी-फूटी छत, टूटी-फूटी दीवारें, और टूटे दरवाज़े! इन दृश्यों को देखकर हैरानी होती है कि यह कोई भूतिया बंगला है या लड़कियों की शिक्षा का मंदिर? जहां सुनहरें बचपन को सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए, वहां मासूम लड़कियों को जानलेवा खतरों के बीच पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ‘लड़कियों की शिक्षा’ और स्कूल के बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े-बड़े

दावे करते हैं, लेकिन यह लड़कियों का स्कूल सिस्टम के सभी खोखले दावों की पोल खोल रहा है। जान जोखिम में डालकर पढ़ाई: स्कूल की छत से प्लास्टर के टुकड़े कभी भी गिर सकते हैं। अगर कोई हदसा हुआ तो कौन जिम्मेदार होगा? सुविधाओं की कमीटूटे दरवाज़े और बिना सुरक्षा वाली दीवारों ने लड़कियों को

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी मेन रोड पर जानलेवा नाला! नर्मदा कैनाल पुलिया से निकली लोहे की रॉड मौत को न्योता दे रही हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। नाडोडी बागोल के पास स्लैब टूटने के बाद बड़े गैप देश-विदेश के हजारों टूरिस्ट खतरे में, फिर भी रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट गहरी नींद में! दुनिया भर में मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जोड़ने वाले बहुत बिजो और जरूरी डभोई-केवड़िया रोड पर सरकारी सिस्टम की बड़ी लापरवाही और काम न करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। डभोई में नाडोडी बागोल में मौजूद चोटरिया पीर दरगाह के पास से गुजरने वाली नर्मदा कैनाल पर बने नाले (पुलिया) की हालत बहुत खराब और जानलेवा हो गई है। पुलिया का स्लेब टूटने के बाद सड़क के बीच में बड़े गैप बन गए हैं और अंदर से नुकीले लोहे के रॉड निकल आए हैं। इस बिजो मेन रोड से 24 घंटे गुजरते समय हजारों गाड़ी चलाने वाले और टूरिस्ट बड़े हादसे का सामना कर रहे हैं। गाड़ी चलाने वाले बाहर निकली लोहे की रॉड

और से परेशान हैं पुलिया से निकली नुकीली लोहे की रॉड सड़क से गुजरने वाली गाड़ियों के टायरों में फंस रही हैं, जिससे अक्सर टायर फटने और पंक्चर होने की घटनाएं हो रही हैं। गाड़ी चलाने वाले इन नुकीली रॉड और सड़क के बीच बने गहरे से बचने के चक्कर में अचानक ब्रेक लगा देते हैं, जिससे पीछे से आ रही गाड़ियां आपस में टकरा जाती हैं। रात में ठीक से स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से ये अनदेखी मौत जैसी रॉड दिखाई नहीं देती, जिससे रोजाना छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। चूंकि यह सड़क सीधे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक जाती है, इसलिए देश-विदेश से हजारों

भावनगर लाठा की घटना के बाद मोरबी में नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। खरकड़ी गांव में हुई दुखद लाठा घटना के बाद पूरे राज्य में पुलिस सिस्टम एक्शन मोड में आ गया है। पूरे राज्य में स्टेट मॉनिटरिंग सेल और लोकल पुलिस द्वारा सख्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत मोरबी LCB और लोकल पुलिस ने दर्जित ऑपरेशन चलाकर मोरबी के बड़े दहींसारा गांव से नकली विदेशी शराब बनाने वाली पूरी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। जहरीले केमिकल और एसेंस का इस्तेमाल करके लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले इस नेटवर्क के पकड़े जाने से शराब तस्क़रों में भारी हंगामा मच गया है। राजस्थान कनेक्शन और ‘जस्ट फॉर सेल इन पंजाब’ रैकेट पुलिस जांच में पता चला है कि नकली शराब को असली और इम्पोर्टेड दिखाने के लिए, स्कैमर्स बोतलों पर नकली स्टिकर और क़त्तर्बाक़ोड लगाते थे, जिन पर ‘जस्ट फॉर सेल इन पंजाब’ लिखा होता था, ताकि कस्टमर्स और पुलिस को धोखा दिया जा सके। इस नकली शराब को बनाने के लिए खाली कांच की बोतलें, अलग-अलग ब्रांडेड कंपनियों की बोतलें और नकली लेबल मुख्य रूप से राजस्थान से सप्लाई किए जाते थे। पुलिस ने मौके से केमिकल, नकली शराब, बोतलें, कैश और एक कार समेत कुल 20,75,444 रुपये जव्त किए हैं। मौके से गिरफ्तार आरोपियों के नाम इस तरह हैं: महेश उर्फ मुन्नी कजिया (उम्र 42) कर्मराजसिंह झाला (उम्र 26)

रामदेवसिंह झाला (उम्र 38) विक्की उर्फ कानो सिंधव (उम्र 25) विक्रम धंधुकिया (उम्र 25) इस स्कैम का मास्टरमाइंड अजरयसिंह जडेजा रेड के दौरान भागने में कामयाब रहा, और पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के लिए काम शुरू कर दिया है। जब्त की गई मुख्य चीजें 1,224 खाली कांच की बोतलें, ब्रांडेड बुच और नकली QR/बारकोड स्टिकर।कच्ছ और सरसखेज जैसे इलाकों से पकड़े गए इस नकली शराब के नेटवर्क ने साबित कर दिया है।



15 सितंबर के बाद PI-QR कोड बंद होने वाले वायरल भैसेज का सच: क्या सच में कैश इस्तेमाल करना होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और WhatsApp ग्रुप पर एक भैसेज वायरल हो रहा है कि 15 सितंबर के बाद पूरे देश में UPI और क़त्तर्कोड से होने वाले ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट बंद हो जाएंगे और ग्राहकों को सिर्फ कैश इस्तेमाल करना होगा। इस अफवाह ने छोटे व्यापारियों, टूक-गैरेज मालिकों और आम ग्राहकों में काफी चिंता और कंफ्यूजन पैदा कर दिया है। लेकिन इस दावे के पीछे असली सच्चाई क्या है?

सच्ची जानकारी क्या है? UPI या QR कोड बंद नहीं होने जा रहे हैं!

सबसे पहले तो यह साफ है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (या NPCI(नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) ने UPI या क़त्तर्कोड पेमेंट सिस्टम को बंद करने का ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। 15 सितंबर के बाद भी पूरे देश में सभी UPI पेमेंट, QR कोड स्कैनिंग और डिजिटल ट्रांजैक्शन पहले की तरह चलते रहेंगे। तो 15 सितंबर को क्या बदल रहा है? इस वायरल अफवाह के पीछे मुख्य कारण RBI द्वारा डिजिटल फ्रॉड और साइबर क्राइम को रोकने के लिए लाई गई नई सिक्योरिटी गाइडलाइंस और साइबर मॉनिटरिंग नियम हैं। एंटरप्राइज़ क़त्तर्कोड और मर्चेन्ट वेरिफिकेशन RBI ने बैंकों और पेमेंट ऐप्स (जैसे Google Pay, PhonePe, Paytm) को उन मर्चेन्ट्स का सख्त KYC वेरिफिकेशन पूरा करने का निर्देश दिया है जो अनवेरिफाइड या डमी अकाउंट्स पर अनऑथराइज़ेड QR कोड का इस्तेमाल कर रहे हैं। बैंक सिर्फ अनसिक्योरिड या गैर-कानूनी क़त्तर्कोड या उन अकाउंट्स के खिलाफ सख्त एक्शन लेंगे जिनमें मर्चेन्ट अकाउंट्स में संदिग्ध या बेनामी ट्रांजैक्शन पाए जाएंगे।

डभोई माइनर नहर में जंगली पेड़-पौधों का राज: सिंचाई विभाग की बड़ी लापरवाही से किसानों का भविष्य अंधकारमय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। हड़भोई बांच नहर (चेन 2717 m.) पर उगी झाड़ियां: पहचान बोर्ड भी छके, पानी के बहाव में रुकावट से गुस्सा डभोई पंथक से गुजरने वाले किसानों के लिए बहुत जरूरी मानी जाने वाली ‘डभोई माइनर नहर’ (चेन 2717 द्र.) में सरकारी सिस्टम और सिंचाई विभाग की पॉलिसी की लापरवाही सामने आई है। सही देखभाल और सफ़ाई न होने की वजह से नहर और उसके आस-पास के इलाकों में जंगली पेड़-पौधों और झाड़ियों का डरावना साम्राज्य फैल गया है। नहर के किनारों से लेकर पहचान बोर्ड तक जंगली बेले उगने से नहर का वजूद ही धुंधला सा हो गया है।

पानी के फ़्री फ्लो में बड़ी रुकावट: कचरे और झाड़ियों से नहर जान होने का डर

नहर और उसके किनारों पर उगी इस घनी हरियाली की वजह से पानी के नेचुरल फ्लो में बड़ी रुकावट पैदा हो गई है। समय रहते इसकी सफाई नहीं हुई तो नहर कचरे से भर जाएगी और पानी आगे बढ़ना बंद हो जाएगा। अगर चालू खेती के मौसम और मानसून के समय में दूरदराज के खेतों तक पानी नहीं पहुंचा तो बुआई चौपट हो जाएगी और किसानों को करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान होगा।

सिंचाई विभाग सुस्त : किसानों और स्थानीय लोगों में भयंकर गुस्सा

सरकार सिंचाई के लिए करोड़ों के बजट का नारा लगा रही है, लेकिन हकीकत यह है कि सिंचाई विभाग के अधिकारी डभोई माइनर नहर की मरम्मत या सफाई के लिए झांकने तक को तैयार नहीं हैं। जंगली झाड़ियां इतनी बढ़ गई हैं कि पेड़ों के बीच से गुजरने वाले राहगीरों और किसानों के लिए जहरीले कीड़ों का खतरा भी बढ़ गया है। किसानों की साफ मांग : तुरंत सफाई अभियान शुरू करें स्थानीय किसानों और ग्रामीणों ने एकमत से मांग की है कि कोई भी बड़ी आपदा या फसल सूखने की स्थिति उत्पन्न होने से पहले सिंचाई विभाग तुरंत जागे।

चमचमाते ऑफिस और मेहनत करता आम आदमी

एक तरफ अरबों के डोनेशन वाले महल जैसे BJP ऑफिस, दूसरी तरफ जनधन अकाउंट में अनाज की कमी

पिछले 10 से 12 साल की पॉलिटिकल हिस्ट्री देखें तो भारतीय जनता पार्टी ने ऑर्गनाइजेशन और फाइनेंशियल खुशहाली के मामले में जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। देश के कोने-कोने में खुले आलीशान और हाई-टेक BJP ऑफिस इस बात का सबूत हैं कि एक पार्टी के तौर पर BJP बहुत कामयाब और अमीर हो गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह कामयाबी देश के आम आदमी की ज़िंदगी में खुशहाली ला पाई है? आज असलियत यह है कि पार्टी कामयाबी की ऊंचाइयों पर पहुंच रही है, लेकिन देश और उसका आम आदमी इकॉनमिक नाकामी के गहरे में धकेला जा रहा है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आम आदमी दिन-ब-दिन कुचला जा रहा है और महंगाई आसमान छू रही है।

दूध, सब्जी और चीनी जैसी ज़रूरी चीजों के दाम, जो आम आदमी की पहली ज़रूरत हैं, आसमान छू रहे हैं। चीनी सौ रुपये प्रति किलो के लेवल को पार करने की तरफ बढ़ रही है। देश के करोड़ों लोगों के ‘जनधन’ अकाउंट खोलने का दावा तो बड़ा किया जा रहा है, लेकिन आज उन अकाउंट में ‘अन्नधन’ की भारी कमी है। मिडिल और गरीब क्लास महंगाई के असहनीय बोझ तले दब रहा है। राज्य और देश में डबल और ‘ट्रिपल इंजन’ की सरकार होने के दावों के बीच, लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं और न्याय के लिए तरस रहे हैं। एक तरफ देश के वलेंट क्लास किसान सही दाम और प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ सरकारी मदद की गुहार लगा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ देश की टॉप लोडरशिप और प्रधानमंत्री की पार्टी नए ऑफिसों के उद्घाटन प्रोग्राम और त्योहारों में बिजी दिख रही है। दिल्ली हॉस्टल हदसा हो या दूसरी इफ्रास्ट्रक्चर की नाकामियां, जिम्मेदार सिस्टम और सरकार की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। क्या गुजरात और देश के लोगों की समस्याओं का हमेशा के लिए हल करना जनता के टैक्स के पैसे से चलने वाली सरकार की पहली जिम्मेदारी नहीं है? अरबों का डोनेशन और जनता के मुँहों पर बेपरवाही पिछले दस सालों में BJP को इलेक्टोरल बॉन्ड और दूसरे तरीकों से अरबों रुपये का डोनेशन मिला है। पार्टी के खजाने में अरबों रुपये का यह जुड़ना और दूसरी तरफ जनता की बढ़ती आर्थिक लाचारी—ये दो अलग-अलग तस्वीरें बहुत कुछ कहती हैं। क्या यही डेमोक्रेसी है जहाँ रूखिंग पार्टी धीरे-धीरे अमीर होती जा रही है और देश के नागरिक ज़्यादा से ज़्यादा कर्जदार और मजबूर होते जा रहे हैं? जनता अब यह सच्चाई समझ चुकी है। अगर सरकार सच में जनता की नुमाइंदगी करने वाली है, तो उसे अपने आलीशान ऑफिसों की चमक-दमक से बाहर निकलकर सड़कों पर आम आदमी की खाली थालियों और कटोरों को देखना होगा और उनकी समस्याओं का तुरंत हल निकालना होगा।



राशिफल

(बुधवार) 09 सितंबर 2026

 आज कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं मे़ष	 रिश्तों में मधुरता आएगी और कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि मिल सकती है तुला
 रुके हुए काम पूरे होंगे, परिवार का सहयोग मिलेगा और मन प्रसन्न रहेगा वृषभ	 आज लिए गए महत्वपूर्ण फैसले गतिव्य में लाभ देंगे, धन प्राप्ति के भी योग हैं वृश्चिक
 नई योजनाओं पर काम शुरू होगा, व्यापार में लाभ और नौकरी में अवसर मिल सकते हैं मिथुन	 नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता हासिल होगी। धनु
 मेहनत का अरुख परिणाम मिलेगा, ख़लाफ़ि अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना ज़रूरी है कर्क	 कामकाज में व्यस्तता रहेगी लेकिन मेहनत का फल मिलेगा, व्यापार में लाभ संभव है। मकर
 करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे और समाज में मान-सम्मान बढ़ सकता है सिंह	 नए अवसर सामने आएंगे, आर्थिक लाभ के साथ स्व्का हुआ धन भी वापस मिल सकता है कुंभ
 आर्थिक मामलों में दिन अनुकूल रहेगा, मेहनत से आपकी योजनाएं साफल्य हो सकती हैं कन्या	 परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा और किसी अटर्नी खबर से मन ख़ुश हो सकता है मीन

गुजरात सूखे की होली में जल रहा है, जनता के पैसे से राजनीतिक उत्सव

एक तरफ कुएं खराब हालत में हैं और किसान कर्ज में डूबे हैं, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री के स्वागत में करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं: गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ जनता का गुस्सा

राज्य का एक बड़ा हिस्सा और आधा गुजरात आज भयंकर सूखे की स्थिति में है। पानी की कमी, सूखते खेत और मवेशियों के चारे की कमी के बीच दुनिया कर्ज के बोझ तले दबी जा रही है। जहां जनता सरकार से ‘कमी’ या ‘सूखा’ घोषित करने की कोशिश कर रही है, वहीं प्रशासन और शासक जनता की मेहनत की कमाई से मिले टैक्स के पैसे से राजनीतिक उत्सव और शानदार कार्यक्रम आयोजित करने में व्यस्त हैं। वडोदरा में **करोड़ों का धुआं**: वेलकम रैलियां होती हैं, पर जनता के मुँदे गायब हैं

वडोदरा समेत इलाकों में प्रधानमंत्री के लगातार दौरे और स्वागत के लिए सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये धुंए में उड़ाए जा रहे हैं। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और BJP नेता नेताओं के स्वागत के लिए बड़े-बड़े रोड शो और रैलियां करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि वेलकम रैलियों में जो जोश दिखता है, वह मुश्किल में फंसे नागरिकों को राहत पहुंचाने में क्यों नहीं दिखता? **जहर बनता गुजरात**: शराब और ड्रग्स से

बबांद हो रहे युवा, नशा मुक्ति रैली कब होगी? राज्य में गांधी के गुजरात के नाम पर शराबबंदी के खोखले दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि हर कोने से ड्रग्स और गैर-कानूनी शराब पकड़ी जा रही है। युवा नशे के दुष्पन्न में फंस रहे हैं। जनता पूछ रही है कि उनके स्वागत के लिए रैलियां निकालने वाले गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी कभी ‘ड्रग्स खत्म करने की रैली’ या गुजरात को ड्रग्स और शराब के प्रदूषण से मुक्त करने के लिए कोई बड़ा अभियान क्यों नहीं चलाते? सूखा

घोषित करने की ज़ोरदार मांग जब आधा गुजरात पानी और अनाज की एक-एक बूंद के लिए तरस रहा है, तो सरकार को तुरंत ज़मीनी हकीकत समझनी चाहिए और कागज़ों पर किए जा रहे दावों को छोड़कर ‘सूखा’ घोषित कर देना चाहिए। जनता की मांग है कि सरकारी पैसे का गलत इस्तेमाल बंद किया जाए और किसानों को सीधे आर्थिक मदद और चारा दिया जाए। अगर अब भी हुक्मरानों ने सरकारी पैसे से अपने त्योहार मनाना बंद नहीं किया, तो आने वाले दिनों में जनता का गुस्सा सड़कों पर दिखेगा।

नकली धर्म और देशभक्ति की आड़ में समाज को मॉडर्न गुलामी की ओर धकेला जा रहा है: एक गहरा एग्रेसिव एनालिसिस

सोच की आज़ादी को गिरवी रखने, इंसाफ़ मांगने वालों पर लेबल लगाने और कट्टरता के माहौल में, देश के सभी वर्ग अपनी असली आज़ादी खो रहे हैं। आज के मॉडर्न और इम्फॉर्मेशन युग में, हमारा देश एक बहुत ही सेंसिटिव और खतरनाक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ धर्म और देशभक्ति के नाम पर एक वर्चुअल और डरावना माहौल बनाया गया है। ‘नकली धर्म’ और ‘एग्रेसिव नेशनलिज़्म’ की आड़ में, आम नागरिक से लेकर बहुत पढ़े-लिखे वर्ग तक, सभी लोगों को धीरे-धीरे एक नई, अनदेखी और मानसिक गुलामी की ओर धकेला जा रहा है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि भारत के डेमोक्रेटिक स्ट्रक्चर, सामाजिक ताने-बाने और आत्म-सम्मान के लिए जानलेवा साबित हो रही है। रोज़ी-रोटी के असली मुद्दों पर भावनाओं का पर्दा और काली राजनीति आज देश का आम नागरिक महंगाई के असहनीय बोझ तले दबा हुआ है, युवा डिग्री लेकर रोज़गार के लिए भटक रहे हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं का बाज़ारीकरण

हो गया है और देश का विश्वस्तरीय किसान अपने अधिकारों के लिए मदद की गुहार लगा रहा है। लेकिन जब भी इन बुनियादी सवालों पर अधिकारियों से जवाब मांगने का समय आता है, तो धर्म, जाति, संप्रदाय और नकली राष्ट्रवाद के मुद्दे जनता के सामने पेश कर दिए जाते हैं। सवाल पूछने वाले हर नागरिक को तुरंत ‘देशद्रोही’, ‘धर्म-विरोधी’ या ‘साज़िश करने वाला’ करार देकर उसकी आवाज़ दबा दी जाती है।

विचारधारा की गुलामी: कट्टरता का सबसे खतरनाक रूप

किसी भी जीवित और मज़बूत लोकतंत्र की असली ताकत उसके सवाल पूछने वाले और तार्किक नागरिक होते हैं। लेकिन आज के माहौल में नागरिकों को इतना अंधा और कॉमन सेंस से रहित बना दिया गया है कि वे अपने ही अधिकारों का उल्लंघन होते हुए नहीं देख सकते। नेताओं या कट्टरपंथी संगठनों के अन्यायपूर्ण फैसलों को आँख बंद करके बर्दाश्त करना और देशहित के नाम पर उन्हें सही ठहराना, विचारधारा की गुलामी का सबसे भयानक रूप है। युवा और

मिडिल क्लास शतरंज के खेल के मोहरे बन गए हैं। इस वर्चुअल खेल में सबसे बड़े शिकार युवा और मिडिल क्लास हैं। युवाओं की एनर्जी, जो देश के विकास, नई टेक्नोलॉजी और रिसर्च में लगनी चाहिए, सोशल मीडिया के झूठे प्रचार, समाज को बांटने और धार्मिक त्योहारों की धूम में खर्च हो रही है। पढ़ा-लिखा मिडिल क्लास भी अपनी आर्थिक मजबूरी भूलकर सिर्फ वर्चुअल शान के भ्रम में जी रहा है। समय रहते जागरूकता ही इसका एकमात्र हल है। जब देश के लोग सरकार से अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार मांगने के बजाय सिर्फ हुक्मरानों को खुश करने के लिए ज़िंदाबाद के नारे लगाने लगें, तो समझ लेना चाहिए कि मानसिक गुलामी पूरी तरह से कायम हो चुकी है। अगर समाज के न्यूट्रल बुद्धिजीवी, युवा और जागरूक नागरिक समय रहते इस नकली हाइप को नहीं पहचानते और असली मुद्दों पर सवाल पूछना शुरू नहीं करते, तो आने वाली पीढ़ियां ऐसी मॉडर्न गुलामी में जीने को मजबूर हो जाएंगी जहां सोचने या बोलने की आज़ादी खत्म हो जाएगी।

क्लाइमेट रिस्क के मामले में अहमदाबाद दुनिया का सबसे खतरनाक शहर है बाढ़, बहुत ज़्यादा गर्मी और सूखे से निपटने की शहर की तैयारी चरमराई: हैदराबाद भी दूसरे नंबर पर, जबकि शिकागो दुनिया का सबसे ज़्यादा क्लाइमेट-रेज़िलिएंट शहर बना

दुनिया भर में तेज़ी से बदलते मौसम और क्लाइमेट चेंज के खतरनाक असर के बीच, अहमदाबाद शहर के लिए एक बहुत ही चौंकाने वाली और चिंताजनक इंटरनेशनल रिपोर्ट सामने आई है। दुनिया के 72 बड़े शहरों की ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क रैंकिंग में अहमदाबाद को सबसे खतरनाक, यानी पहले नंबर पर बताया गया है। इस असेसमेंट से पता चलता है कि आने वाले समय में अहमदाबाद कुदरती आपत्तों के मामले में बहुत ज्यादा कमज़ोर और असुरक्षित साबित हो सकता है। यह असेसमेंट किस आधार पर किया गया? अहमदाबाद सबसे ज्यादा खतरनाक क्यों है?

इस ग्लोबल स्टडी में मुख्य रूप से तीन बेसिक मुद्दों पर विचार किया गया:

बहुत ज़्यादा मौसम के खतरे: अचानक बाढ़, रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की लहरें, और सूखे का लगातार बढ़ता खतरा। शहर की तैयारी (क्लाइमेट रेज़िलिएंस): आपदाओं से निपटने और उनसे निपटने के लिए लोकल सिस्टम और इन्फ्रास्ट्रक्चर कितने तैयार

हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भले ही अहमदाबाद स्मार्ट सिटी होने का दावा करता हो, लेकिन असलियत यह है कि क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों के सामने ज़्यादा गर्मी और मॉनसून के पानी को डिस्पोज़ करने का सिस्टम पूरी तरह से नाकाम्य है।

टॉप-2 में भारत के दो बड़े शहर: हैदराबाद दूसरे नंबर पर

सिर्फ अहमदाबाद ही नहीं, बल्कि भारत का एक और बड़ा मेट्रो शहर हैदराबाद भी सबसे कम क्लाइमेट-रेसिलिएंट, यानी खतरनाक शहरों की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आया है। ये आंकड़े साबित करते हैं कि भारत के बड़े शहर आर्थिक और फिजिकल डेवलपमेंट की अधी दौड़ में एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारी भूल गए हैं। शिकागो दुनिया का सबसे सुरक्षित शहर है

कई दिनों से जुटा प्रशासन, फिर भी नहीं हिली हनुमान जी की मूर्ति



उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण के दौरान सामने आया एक दृश्य इन दिनों शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। कंठाल चौराहे से छत्री चौक तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य की जद में आए प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर का भवन तोड़ा जा चुका है। मंदिर का अधिकांश हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया, आसपास की जगह भी खाली कर दी गई, लेकिन मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा आज भी उसी स्थान पर अडिग खड़ी है। प्रशासनिक अमला पिछले कई दिनों से प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से दूसरी जगह स्थानांतरित करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद प्रतिमा को हिलाया नहीं जा सका है। प्रतिमा को फिलहाल धूप और बारिश से बचाने के लिए कैनेपी टेंट लगाया गया है। मंदिर का भवन हटने के बाद मलबे के बीच खड़ी प्रतिमा का यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए भावनात्मक और आस्था से जुड़ा विषय बन गया है। सड़क

चौड़ीकरण के लिए मंदिर भवन को हटाने की कार्रवाई पूरी होने के बाद उम्मीद थी कि प्रतिमा को भी सुरक्षित रूप से दूसरी जगह ले जाया जाएगा। इसके लिए प्रशासन और संबंधित टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन प्रतिमा अपनी जगह से नहीं हिली। जैसे-जैसे प्रयास असफल होते गए, स्थानीय लोगों के बीच इसे लेकर चर्चा और गहरी होती चली गई। श्रद्धालुओं का कहना है कि संकट की स्थिति में भी हनुमान जी अपने स्थान पर डटे हुए हैं। कई लोग इसे आस्था और भगवान की शक्ति से जोड़कर देख रहे हैं। दूसरी ओर, विशेषज्ञों का मानना है कि किसी प्राचीन प्रतिमा को स्थानांतरित करने से पहले उसके वजन, पथर की संरचना, आधार, जमीन से जुड़ाव और स्थापना की तकनीक को समझना बेहद ज़रूरी है। प्रतिमा के न हिलने की घटना ने धार्मिक आस्था के साथ वैज्ञानिक जिज्ञासा भी पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि आखिर ऐसी क्या वजह है जिसके कारण कई प्रयासों के बावजूद प्रतिमा को स्थानांतरित नहीं किया जा सका। क्या प्रतिमा का आधार जमीन के भीतर किसी संरचना से जुड़ा हुआ है? क्या इसके नीचे कोई प्राचीन निर्माण मौजूद है? या फिर प्रतिमा की स्थापना ऐसी तकनीक से की गई थी, जिसके कारण उसे सामान्य तरीके से हटाना मुश्किल हो रहा है? इन सवालों का जवाब फिलहाल निश्चित रूप से नहीं दिया जा सकता। बिना वैज्ञानिक और पुरातात्विक जांच के इसे किसी चमत्कार या रहस्य के रूप में घोषित करना जल्दबाजी होगी। हालांकि, प्रतिमा को हटाने में आ रही कठिनाई ने इसके ऐतिहासिक और स्थापत्य महत्व को लेकर जरूर नई चर्चा शुरू कर दी है। विक्रम विश्वविद्यालय के पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. डॉ. रमण सोलंकी के अनुसार, प्रतिमा मालवा क्षेत्र में पाए जाने वाले मजबूत बेसाल्ट पथर से निर्मित बताई जा रही है। परमार वंश और राजा भोज के शासनकाल में इस प्रकार के पथरों पर मूर्तिकला और धार्मिक प्रतिमाएं बनाने की परंपरा रही है। इसी आधार पर प्रतिमा के करीब एक हजार वर्ष पुरानी होने की संभावना जताई गई है। हालांकि, विशेषज्ञों ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल पथर और मूर्ति की शैली के आधार पर उसकी वास्तविक उम्र निर्धारित नहीं की जा सकती। प्रतिमा पर लंबे समय से चढ़े सिंदूर की मोटी परत के कारण उसकी

मूल बनावट, शिल्प और भाव-भंगिमा भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती। ऐसे में वास्तविक निर्माणकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि जानने के लिए वैज्ञानिक परीक्षण तथा विशेषज्ञों की विस्तृत जांच ज़रूरी होगी। उज्जैन का इतिहास केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। यह प्राचीन उज्जयिनी के रूप में भारतीय इतिहास, संस्कृति और स्थापत्य की महत्वपूर्ण भूमि रही है। शहर के पुराने बाजार क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों में आज भी प्राचीन परंपराओं के अनेक निशान मौजूद हैं। ऐसे में सड़क चौड़ीकरण जैसे विकास कार्यों के बीच प्राचीन मंदिरों और प्रतिमाओं के संरक्षण का सवाल भी महत्वपूर्ण हो जाता है। छोटा सराफा, बड़ा सराफा और नमक मंडी जैसे क्षेत्र प्राचीन उज्जैन की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े हुए हैं। ऐसे इलाकों में विकास कार्य ज़रूरी हो सकते हैं, लेकिन किसी प्राचीन प्रतिमा या धार्मिक संरचना को हटाने से पहले उसके ऐतिहासिक महत्व का आकलन करना भी उतना ही आवश्यक है। पुराविदों का मानना है कि प्रतिमा को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जल्दबाजी में नहीं होनी चाहिए। यदि प्रतिमा वास्तव में प्राचीन है तो उसके वजन, संरचना और आधार का अध्ययन करने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। आधुनिक संरक्षण तकनीक और विशेषज्ञ संस्थाओं की मदद लेकर प्रतिमा को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित स्थान पर ले जाने का रास्ता तलाश जा सकता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जैसी विशेषज्ञ संस्थाओं की तकनीकी सलाह इस मामले में उपयोगी साबित हो सकती है। प्रशासन, पुरातत्व विशेषज्ञों और संरक्षण विशेषज्ञों के बीच बेहतर समन्वय से विकास कार्य और विरासत संरक्षण के बीच संतुलन बनाया जा सकता है। फिलहाल हनुमान जी की प्रतिमा उसी स्थान पर खड़ी है। मंदिर का भवन टूट चुका है, आसपास का मलबा हटाना जा चुका है, लेकिन प्रतिमा के न हिलने की घटना ने लोगों के बीच एक अलग तरह की जिज्ञासा पैदा कर दी है। श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था का विषय है, जबकि इतिहास और पुरातत्व से जुड़े लोगों के लिए यह जांच और संरक्षण का मामला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घटना को केवल चमत्कार या केवल वैज्ञानिक घटना मानकर निष्कर्ष निकालने के बजाय इसकी निष्पक्ष जांच की जाए।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले दिल्ली में सुरक्षा का मेगा रिहर्सल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्रिक्स के 18वें लीडर्स समिट से पहले राजधानी दिल्ली में सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में होने वाले सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत कई बड़े नेताओं के शामिल होने की संभावना है। विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को देखते हुए दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने मल्टी-लेयर सुरक्षा ग्रिड तैयार किया है। इसी के तहत राजधानी में लगातार मॉक ड्रिल और सुरक्षा रिहर्सल की जा रही है। विदेशी नेताओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस ने पड़ोसी राज्यों को भी साझा सुरक्षा ग्रिड में शामिल किया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और चंडीगढ़ के साथ खुफिया जानकारी साझा करने और सुरक्षा समन्वय पर जोर दिया जा रहा है। सदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच, सीमा क्षेत्रों पर निगरानी, यातायात प्रबंधन और अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। ड्रोन पर भी कड़ी नजर सम्मेलन की सुरक्षा में ड्रोन और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं को बड़ी चुनौती माना जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा बैटकों में तब्दील किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने विदेशी मेहमानों और प्रतिनिधिमंडलों से जुड़े 10 होटल चिन्हित किए हैं। अति महत्वपूर्ण काफिलों की आवाजाही के लिए रिहर्सल की जा रही है। दिल्ली पुलिस, यातायात पुलिस, विदेश मंत्रालय और अन्य एजेंसियों की संयुक्त रिहर्सल में 12 स्थानों को कवर किया जा रहा है। काफिलों की सुरक्षित आवाजाही के लिए 22 डायवर्जन प्लाइट बनाए गए हैं। वाहनों में जीपीएस उपकरण लगाए जा रहे हैं।

सत्य निकेतन पीजी हादसे के घायलों को 5 लाख रुपये का मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत गिरने की घटना के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घायलों के लिए 5 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री मंगलवार को हादसे में घायल लोगों का हाल जानने के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचीं। घायलों से मुलाकात के बाद उन्होंने राहत कोष से प्रत्येक घायल को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने हादसे के आसपास स्थित इमारतों की सुरक्षा जांच कराने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर खतरनाक इमारतों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के पास स्थित एक अन्य इमारत को भी ध्वस्त करने के आदेश दिए गए हैं। एमसीडी के अधिकारियों पर भी कार्रवाई इमारत गिरने की घटना के बाद नगर निगम के अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई है। दक्षिण जोन के उपायुक्त राकेश कुमार समेत चार इंजीनियरों को निलंबित किया गया है। इनमें अधीक्षण अभियंता रणबीर सिंह, अधिशासी अभियंता ललित कुमार गोयल, सहायक अभियंता सुनील चौहान और कनिष्ठ अभियंता आशीष कुमार शामिल हैं। नगर निगम ने पूरी दिल्ली में इमारतों की जांच के आदेश दिए हैं। खासतौर पर ऊंचाई और मंजिल की निर्धारित सीमा का उल्लंघन करने वाली इमारतों की जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री ने शहर में सभी पांच मंजिला ढाँचों की सुरक्षा जांच और जरूरत के अनुसार उन्हें सील करने के निर्देश भी दिए हैं। हादसे में सात लोगों की मौत सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर पांच मंजिला इमारत अचानक गिर गई थी। हादसे में सात लोगों की मौत हुई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में उपचार चल रहा है। इमारत का इस्तेमाल पेइंग गेस्ट के तौर पर किया जा रहा था। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर इमारत के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है।

11 से 13 सितंबर तक दिल्ली में ट्रैफिक एडवाइजरी, एयरपोर्ट-रेलवे यात्रियों को खास सलाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 11 से 13 सितंबर तक होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने विशेष एडवाइजरी जारी की है। वीआईपी काफिलों की आवाजाही के दौरान 22 स्थानों पर डायवर्जन और 35 से अधिक प्रमुख सड़कों पर यातायात नियंत्रण रहेगा। जरूरत पड़ने पर इन मार्गों पर वाहनों को रोका या वैकल्पिक रास्तों पर भेजा जा सकता है। मथुरा रोड, जनपथ, पृथ्वीराज रोड, तिलक मार्ग, अकबर रोड, सरदार पटेल मार्ग, शेरशाह रोड, कर्तव्य पथ, सफ्दरजंग रोड, कौटिल्य मार्ग, शांति पथ, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग सहित कई प्रमुख रास्तों पर विशेष निगरानी रहेगी। पुलिस ने लोगों से अनावश्यक रूप से नियंत्रित क्षेत्रों में जाने से बचने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है।म एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलने की सलाह दी गई है। नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों और आईजीआई एयरपोर्ट के लिए वैकल्पिक मार्ग सुझाए गए हैं। लोगों को निजी वाहनों के बजाय मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। वीआईपी काफिलों के दौरान कुछ मार्गों पर अस्थायी रूप से यातायात रोका जा सकता है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए 11 सितंबर को दिल्ली के सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में छुट्टी रहेगी। साथ ही केंद्र और दिल्ली सरकार के कार्यालय भी बंद रहेगे।

इंस्टाग्राम पर गाली-गलौज का विवाद बना खूनी, जाफराबाद में 19 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जाफराबाद। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के जाफराबाद इलाके में इंस्टाग्राम पर गाली-गलौज और अभद्र टिप्पणी को लेकर हुए विवाद में 19 वर्षीय साहिल की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए करीब चार घंटे के भीतर मुख्य आरोपी साहिल (21) को गौतमपुरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया गया है। मामले में 15 वर्षीय नाबालिंग को भी पकड़ा गया है। पुलिस के



अनुसार, मृतक और आरोपी पिछले करीब तीन साल से एक साथ काम करते थे। साहिल जाफराबाद की एक पाउडर कोटिंग फैक्ट्री में काम करता था और वहीं रहता था। 6 सितंबर की रात करीब 10 बजे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से पुलिस को एक युवक के चाकू से घायल होने और बाद में उसकी मौत की सूचना मिली। जांच में सामने आया कि इंस्टाग्राम पर मृतक की ओर से की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर आरोपी नाराज था। इसी विवाद के बाद आरोपी ने साहिल पर

चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। डीसीपी नॉर्थ ईस्ट राहुल अलवाल के मुताबिक, एसीपी सहदेव कुमार राणा की निगरानी में एसएचओ तनवीर अहमद, इंस्पेक्टर किरणपाल और एसआई अयूब की टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके साथ 15 वर्षीय नाबालिंग भी पकड़ा गया, जो पिछले तीन दिनों से आरोपी के साथ रह रहा था। पुलिस नाबालिंग की भूमिका की जांच कर रही है।

चौकीदार चोर है’ टिप्पणी केस में राहुल गांधी को झटका, बॉम्बे हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की मानहानि केस रद्द कराने की राहुल गांधी की मांग खारिज, सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए 6 हफ्ते की राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। 'चौकीदार चोर है' टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने बीजेपी कार्यकर्ता महेश श्रीश्रीमाल की ओर से दायर मानहानि मामले की कार्यवाही रद्द करने की राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। यह मामला 2018 में राजस्थान की एक रेली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयान से जुड़ा है। मुंबई के गिरगांव कोर्ट में चल रहे मामले पर जस्टिस एनआर बोकर की पीठ ने सोमवार को फैसला सुनाया। शिकायतकर्ता महेश श्रीश्रीमाल ने 2019 में मजिस्ट्रेट कोर्ट में मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि राहुल गांधी के बयान के बाद प्रधानमंत्री मोदी को न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। अगस्त 2019 में मजिस्ट्रेट ने राहुल गांधी को समन



जारी किया था, जो उन्हें जुलाई 2021 में मिला। इसके बाद उन्होंने

हाईकोर्ट का रुख किया। राहुल गांधी की ओर से दलील दी गई कि शिकायत राजनीति से प्रेरित है और शिकायतकर्ता को मामला दर्ज कराने का अधिकार नहीं है। उनके वकीलों ने सीआरपीसी की धारा 199(2) और आईपीसी की धारा 499 का हवाला दिया। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया कि शुरुआती स्तर पर पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। महाराष्ट्र के एडवोकेट जनरल मिलिंद साठे ने भी कहा कि मामले को इस स्तर पर रद्द करने के बजाय ट्रायल के दौरान तय किया जाना चाहिए। अदालत ने शशि थरूर से जुड़े एक पुराने मामले का हवाला देते हुए कहा कि बीजेपी एक पंजीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक दल और पहचानी जा सकने वाली संस्था है। इसी आधार पर अदालत ने राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। हालांकि, उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए छह सप्ताह की राहत दी गई है।

सरकार की तारीफ करना पड़ा भारी, पाकिस्तानी नंबर से बिजनेसमैन को धमकी आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई सरकार की ओर से अवैध निर्माण के खिलाफ की गई कार्रवाई की तारीफ करना मुंबई के एक बिजनेसमैन को भारी पड़ गया। बांद्रा के गरीब नगर इलाके में अवैध निर्माण पर कार्रवाई की सराहना करने के बाद बिजनेसमैन इम्तियाज खत्री को पाकिस्तान के नंबर से व्हाट्सएप कॉल और वॉइस नोट के जरिए धमकियां मिलीं। मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ निवासी 45 वर्षीय मोहम्मद शरीफ को सतारा से गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच को आरोपी के मोबाइल से पाकिस्तान के नंबर के साथ लगातार संपर्क के सबूत मिले हैं। पुलिस ने बातचीत और संपर्क से जुड़े कई साक्ष्य भी

बरामद किए हैं। आरोपी को मुंबई की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 13 सितंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ में सामने आया कि मोहम्मद शरीफ वर्ष 2008 में मुंबई आया था। उसने अंधेरी, साकीनाका, जोगेश्वरी और बांद्रा समेत कई इलाकों में चौकीदार के तौर पर काम किया। फिलहाल वह सतारा में रह रहा था और घरेलू काम करता था। पुलिस उसकी गतिविधियों और पाकिस्तान के नंबर से उसके संपर्क की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के पिता पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रहते हैं। क्राइम ब्रांच ने आरोपी की पत्नी शबनम और उसके भतीजे से भी पूछताछ की है। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि धमकी देने के पीछे केवल आरोपी की भूमिका थी या उसके संपर्क में कोई और लोग भी शामिल हैं। पुलिस



सीमा पर कनेक्शन और धमकी के पूरे नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

एक्शन में तुकाराम मुंढे, 880 दवा कंपनियों पर शिकंजा; 11.41 करोड़ की अवैध दवाएं जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने दवाओं की गुणवत्ता और अवैध दवाओं की बिक्री पर शिकंजा कसते हुए जून से अगस्त के बीच 880 दवा निर्माण और बिक्री से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने तीन महीने के दौरान 2,902 निरीक्षण किए और कार्रवाई में 11.41 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध दवाएं तथा सौंदर्य प्रसाधन जब्त किए गए। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के लाइसेंस पर भी बड़ी कार्रवाई की गई। एफडीए की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, अधिकारियों ने 607 दवा निर्माण इकाइयों और 2,295 बिक्री केंद्रों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित इकाइयों के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई की गई। विभाग ने 677 लाइसेंस निलंबित किए, जबकि 203 लाइसेंस रद्द कर दिए। इसके अलावा अवैध दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़े मामलों में 104 तलाशी एवं जब्ती अभियान चलाए गए। इन अभियानों के दौरान 20 प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं। विभाग के मुताबिक, कार्रवाई की जद में 140 विनिर्माण इकाइयों के लाइसेंस धारक और 740 बिक्री इकाइयां आईं। एफडीए ने इस अवधि में कुल 11.41 करोड़ रुपये की अवैध दवाएं और सौंदर्य प्रसाधन जब्त

किए। पिछले वित्त वर्ष में इसी तरह की कार्रवाई के दौरान 13.64 करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई थी। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने कहा कि नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और नियामकीय मानकों के अनुरूप दवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दवाओं के निर्माण से लेकर अंतिम बिक्री तक हर स्तर पर निगरानी को मजबूत किया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और निरीक्षण प्रक्रिया को भी और प्रभावी बनाया जाएगा। विभाग की इस कार्रवाई से दवा निर्माण और बिक्री से जुड़े कारोबारियों में हड़कंप है। एफडीए ने स्पष्ट किया है कि बिना मानकों



के दवाओं का निर्माण, भंडारण या बिक्री करने वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

एमपीएससी भर्ती में पारदर्शिता की मांग, हजारों छात्रों का प्रदर्शन सुप्रिया सुले और रोहित पवार भी पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर सोमवार को हजारों अभ्यर्थी सड़कों पर उतर आए। छात्रों ने ओंकारेश्वर मंदिर चौक से पुणे जिला कलेक्ट्रेट तक 'आक्रोश मार्च' निकाला और एमपीएससी के अध्यक्ष व सचिव के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने दोनों पदों पर साफ छवि वाले अधिकारियों की नियुक्ति की मांग भी उठाई। प्रदर्शन को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार, बारामती सांसद सुप्रिया सुले और कांग्रेस विधायक विश्वजीत कदम ने भी समर्थन दिया। रोहित पवार ने कहा कि यह राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र सरकार से प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी भेजने की अपील की। छात्रों ने औषधि निरीक्षक (ग्रुप-बी) परीक्षा में कथित अनियमितताओं पर आठ दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने और मामले की जांच कराने की मांग की। इसके अलावा 2025 राज्य सेवा मुख्य परीक्षा और कृषि सेवा परीक्षा के

वर्णनात्मक प्रश्नपत्रों के मूल्यांकन में कथित गड़बड़ियों की जांच तथा मुंबई अपराध शाखा की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की गई। अभ्यर्थियों ने एमपीएससी के अवर सचिव अभिजीत लेंडवे के कार्यकाल में हुई सभी परीक्षाओं का फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग भी रखी। साथ ही 25 अक्टूबर को प्रस्तावित ग्रुप-सी प्रारंभिक परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी तरीके से कराने और स्टैनोग्राफर पद को बहाल करने की मांग की। पुलिस पेपर लीक मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एमपीएससी अध्यक्ष विवेक भीमनवार ने कहा है कि प्रश्नपत्र लीक की घटना उनके अध्यक्ष पद संभालने से पहले की है।



आयोग ने भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए आंतरिक समिति गठित की है। छात्रों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।



ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूँढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं तो खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।



इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका डिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहे। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अवसर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती हैं जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए



अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन कू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन कू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रेफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजर्स की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही करना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, वलेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्दा उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों का जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारीयां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतकाज कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन-सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप



आर्कियोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशन एंजिनिअरिंग एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्कियोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टोरिकल आर्कियोलॉजी, जिओ आर्कियोलॉजी, आर्कियोबॉटनी, क्राॅनोलॉजिकल, एथनोआर्कियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल आर्कियोलॉजी, आर्कियोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्कियोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेज एक्सलेंट पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्कियोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफेशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताएं ताकिक सोचएं कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्कियोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रुपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।



एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टैटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारम्बी पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टैटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सक्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टैटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंट डेवलपमेंट ऑफिसर एंड इंश्योरेंस एजेंट इंश्योरेंस सर्वेयर एक्चुरी मैनेजर एर रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिज होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथॉरिटी, सोशल सिक्वोरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनलिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ली इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

जन्मदिन: 27 के हो गए शुभमन गिल

अंडर-19 विश्व कप से बनाई पहचान, कम उम्र में मिली कप्तानी, बने भारतीय क्रिकेट का सितारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के प्रमुख बल्लेबाजों में शुमार शुभमन गिल शानदार तकनीक, बेहतरीन टाइमिंग और धैर्य उनकी बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई यादगार पारियां खेली हैं। गिल की निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण सितारा बनाया है। 8 सितंबर 1999 को फाजिल्का (पंजाब) में जन्मे गिल को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह अक्सर अपनी उम्र से बड़े खिलाड़ियों के साथ खेला करते थे।

कैसा रहा गिल का शुरुआती सफर?

साल 2014 में उन्होंने पंजाब के अंतर-जिला अंडर-16 टूर्नामेंट में 351 रन बनाए और निर्मल सिंह के साथ 587 रनों की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने विजय मचेंट ट्रॉफी के दौरान अंडर-16 स्टेट डेब्यू में नाबाद दोहरा शतक लगाया। गिल ने साल 2017 के आखिर में रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू करते हुए पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया। अगले मैच में उनके बल्ले से 129 रन निकले। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अगले ही साल उन्हें अंडर-19 विश्व कप 2018 के लिए टीम का उपकप्तान चुना गया। अंडर-19 विश्व कप 2018 में गिल छह मुक़ाबलों की पांच पारियों में 124 की औसत के साथ 372 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों में सात चौकों के साथ 102 रन की नाबाद पारी खेली थी।

दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा

दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल टीम को तेज शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर हुए। उन्हें आईपीएल 2018 के लिए नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.8 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। पहले ही सीजन गिल ने 13 मुक़ाबलों में 33.83 की औसत के साथ 203 रन बनाए। गिल को साल 2019 में वनडे डेब्यू का मौका मिला, जिसके बाद दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 45 और 35 रन बनाए। इसी सीरीज के दौरान उन्होंने सिडनी में अर्धशतक लगाने के बाद गाबा में भारत की रोमांचक जीत में 91 रन की शानदार पारी खेली थी। महज 23 साल की उम्र में गिल वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने, जिन्होंने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 149 गेंदों में 208 रन की पारी खेली।

पाकिस्तानी कप्तान पर लगा जुर्माना



नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को महिला एशिया कप के ग्रुप मैच के दौरान आउट करने के बाद ‘अपमानजनक इशारा’ करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह घटना शनिवार (5 सितंबर) को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शेफाली वर्मा को आउट करने के बाद फातिमा ने पवेलियन की ओर इशारा किया। फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जुड़ा

यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकत या इशारे करने से संबंधित है जो बल्लेबाज का अपमान करते हों या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हों। इसके अलावा फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक और जोड़ा गया है क्योंकि 24 महीने की अवधि में यह उनकी दूसरी गलती है।

फातिमा के दो डिमेरिट अंक हुए- इसके साथ ही एक साल के भीतर उनके डिमेरिट अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

फातिमा को इससे पहले छह अगस्त 2025 को डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मैच के दौरान एक डिमेरिट अंक मिला था। फातिमा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या मिलती है सजा

मैदानी अंपायर निमाली परेरा और शशिरा जाकिर जेसी, तीसरी अंपायर रोकेया सुल्ताना और चौथे अंपायर रबाब अहसन ने उनके खिलाफ आरोप लगाया था। लेवल-एक के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार है जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक है।

नई दिल्ली। चीन मास्टर्स जीतने के बाद, भारत के सार्व्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेण्डी एशियन गेम्स से पहले मिले 10 दिनों के समय का पूरा फायदा उठाने पर ध्यान दे रहे हैं। मौजूदा चैंपियन होने के नाते इस बड़े टूर्नामेंट में उतरने के बावजूद, इस जोड़ी का कहना है कि उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। वल्र्ड नंबर 5 भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन मास्टर्स के फाइनल में चीन के हे और रेन को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह जीत सार्व्विक और चिराग के लिए इसलिए भी खास थी, क्योंकि वे 2023 और 2025 में चीन मास्टर्स में दूसरे स्थान पर रहे थे और 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। वे 2005 में शुरू हुए इस इवेंट को जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी बन गए। चाइना मास्टर्स में यह जीत उनके

करियर का 10वां बीडब्ल्यूएफ वल्र्ड टूर टाइटल था और 2026 का तीसरा वल्र्ड टूर फाइनल था। वे मई में थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे थे और उसी महीने के आखिर में सिंगापुर ओपन का टाइटल जीता था। चाइना मास्टर्स में उनके सफर ने उन्हें उन कुछ कर्मियों को दूर करने में भी मदद की जो पिछले महीने नई दिल्ली में बीडब्ल्यूएफ वल्र्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के दौरान सामने आई थीं। अपनी जीत पर बात करते हुए, इस जोड़ी ने कहा कि इस खिताब ने उन्हें एशियाई खेलों से पहले सही समय पर आत्मविश्वास दिया है। चिराग ने कहा, ‘वल्र्ड चैंपियनशिप के बाद हम काफी बेहतर हुए हैं। हमें समय मिला और हमने खुद को उसके हिसाब से ढाला। वल्र्ड चैंपियनशिप में हमारे लिए मुश्किल थी, क्योंकि हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। एक मैच, और फिर हमने तुरंत



क्वार्टरफाइनल खेला। इसलिए मुझे लगता है कि वल्र्ड चैंपियनशिप के बाद, हमारा शरीर एक तरह से स्थिर हो गया, उसकी आदत हो गई, और फिर हम बेहतर हुए। फिर चाइना मास्टर्स में हमें यह भी निश्चित तौर पर पता नहीं था कि पूरे हफ्ते हम शारीरिक रूप से

कितना झेल पाएंगे। इसलिए हम एक बार में एक ही मैच पर ध्यान दे रहे थे। कुल मिलाकर, पूरे हफ्ते सब कुछ काफी सहज रहा। तो आगे के लिए यह एक अच्छा संकेत है। ‘

चिराग ने आगे कहा कि चीन में कई मैच

खेलने के अनुभव से उन्हें अपनी शारीरिक स्थिति को लेकर और अधिक आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा, ‘वल्र्ड चैंपियनशिप में हमें कोर्ट पर ज्यादा समय नहीं मिला। खासकर चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जैसे मुश्किल मैच से पहले। हम लगभग तीन महीनों बाद कोई टूर्नामेंट खेल रहे थे। जो पहला टूर्नामेंट हमने खेला, उसमें हमारा खेल बहुत अच्छा नहीं था। जाहिर है, मुझे लगता है कि हमारा शरीर भी उस हिसाब से ढल नहीं पाया था, जबकि यहां चाइना ओपन में हमने पांच मैच खेले, और पहले राउंड को छोड़कर बाकी सभी में हमने तीन-तीन गेम खेले। फिर भी, वल्र्ड चैंपियनशिप के मुकाबले अब हमारा शरीर कहीं बेहतर महसूस कर रहा है। चाइना मास्टर्स से पहले हमें प्रैक्टिस के लिए एक हफ्ता और मिला। इससे हमें चाइना मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने में वाकई मदद मिली। ‘



जूनियर हॉकी एशिया कप

भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से रौंदा, सेमीफाइनल के करीब टीम इंडिया

मोकी, एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के फूल ए में शीर्ष भारतीय टीम में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मैच की बात करें तो ज्यादातर समय मुकाबला बराबरी पर रहा। शुरुआती तीन क्वार्टर में मैच काफी रोमांचक रहा, कोई भी टीम एक इंच भी पीछे हटने को तैयार नहीं थी। इंडिया ने अच्छे शुरुआत की और पांचवें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त बना ली। दक्षिण कोरिया के लिए अगले ही मिनट में डोह्योन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी यही पैटर्न रहा। लवनूर सिंह ने 18वें मिनट में फोल्ड गोल करके इंडिया को आगे कर दिया, लेकिन दक्षिण कोरिया ने ह्योगुक यू की मदद से अगले 60 सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। हालांकि, इंडिया ने यह पक्का किया कि वे हाफ-टाइम तक इस बढ़त को बनाए रखें। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल करके इंडिया की एक गोल की बढ़त वापस ला दी और ब्रेक तक उन्हें 3-2 की बढ़त दिला दी।

दक्षिण कोरिया ने दोबारा मैच शुरू होने के बाद भी हार नहीं मानी और इंडियन डिफेंस को लगातार परखता रहा। यू एक बार फिर उनके अटैकिंग खेल का सेंटर थे, उन्होंने तीसरे क्वार्टर के सिर्फ छह मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल किया, जिससे कोरियाई टीम तीसरी बार 3-3 से बराबर हो गई।

जब मैच आखिरी क्वार्टर में बराबरी की ओर बढ़ रहा था, तो प्रभदीप सिंह ने तीसरे क्वार्टर के आखिर में ब्रेकथ्रू पाया और 42वें मिनट में इंडिया की लीड 4-3 कर दी। चौथे क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर अटक करना जारी रखा, लेकिन इंडिया ने आखिरकार सिर्फ तीन मिनट के अंदर तीन गोल करके मैच का रुख पलट दिया।

गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। इसके एक मिनट बाद अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर फिर से गोल करके स्कोर 6-3 कर दिया। इसके बाद आर्यन जेस ने 58वें मिनट में निर्णायक गोल को 7-3 से भारत की जीत पर मुहर लगाई। कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिंकर अनमोल एक्का ने 2 गोल किए। टूर्नामेंट में उनके गोलों की संख्या आठ हो गई।

यूएस ओपन-2026

ज्वेरेव-बोटिक और गॉफ-रायबाकिना क्वार्टरफाइनल में

न्यूर्यांक, , एजेंसी। यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और नीदरलैंड के बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डाडेंरी को सीधे सेटों में हराया, जबकि बोटिक ने दो सेट पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए आर्थर गेआ को मात दी। अब दोनों के बीच अंतिम आठ में मुकाबला होगा।ज्वेरेव ने 21वीं वरीयता प्राप्त डाडेंरी को 6-2, 6-2, 7-6(3) से हराया। जर्मन खिलाड़ी ने अपनी सर्व और दमदार बेसलाइन हिटिंग के दम पर लगातार दबाव बनाए रखा। डाडेंरी ने तीसरे सेट में अपनी पहली सर्विस और ड्रॉप शॉट के जरिए मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन ज्वेरेव ने अहम मौकों पर धैर्य बनाए रखा और तीसरा सेट टाईब्रेक में जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।इस जीत के साथ ज्वेरेव 2026 में सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले इकलौते खिलाड़ी बन गए हैं।

दो सेट हारने के बाद बोटिक की ऐतिहासिक वापसी

दूसरी ओर, बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने आर्थर गेआ के खिलाफ पांच सेट के मुकाबले में शानदार वापसी की। 87वीं रैंकिंग वाले गेआ ने शुरुआती दोनों सेट 6-3, 7-6(0) से जीतकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। इसके बाद बोटिक ने लगातार तीन सेट जीतकर मैच का रुख पलट दिया। बोटिक ने तीसरा सेट 7-6(7) से जीता। इस सेट के टाईब्रेक में गेआ मैच पॉइंट तक पहुंच गए थे, लेकिन अहम मौके पर उनकी फोरहैंड वाली और एक अन्य वाली में गलती हुई, जिसका फायदा बोटिक ने उठाया।चौथे सेट में भी गेआ मैच के लिए सर्व करने की स्थिति में पहुंचे, लेकिन वह मुकाबला खत्म नहीं कर सके। बोटिक ने टाईब्रेक 7-6(6) से जीतकर मैच को निर्णायक सेट में पहुंचाया। पांचवें सेट में उन्होंने 6-4 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 5 घंटे 13 मिनट चला और यूएस ओपन इतिहास का चौथा सबसे लंबा पुरुष एकल मुकाबला रहा। 30 वर्षीय बोटिक ने 2021 के बाद एक बार फिर न्यूर्यांक में अंतिम आठ में जगह बनाई है।

कोको गॉफ ने इवा जोविक का सफर रोका, अगले दौर में पहुंची

महिला एकल में 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने 18 वर्षीय इवा जोविक को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जोविक पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर तक पहुंची थीं, लेकिन गॉफ के खिलाफ उनका सफर खत्म हो गया। शुरुआत में मुकाबला कुछ हद तक बराबरी का रहा, लेकिन लय हासिल करने के बाद गॉफ ने नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। उन्होंने पहले सेट में जोविक की दो बार सर्विस तोड़ी और सेट 6-1 से जीत लिया।दूसरे सेट में जोविक ने बेहतर खेल दिखाया और गॉफ पर दबाव बनाने की कोशिश की। हालांकि, अहम मौकों पर गलतियों के कारण वह अपनी सर्विस गंवा बैठीं और गॉफ ने 6-4 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। जोविक ने मैच में सिर्फ नौ विनर्स लगाए, जबकि उनके नाम 30 अनफोर्सड परस रहे। क्वार्टर फाइनल में गॉफ का सामना मिरा एंड्रीवा से होगा।

रायबाकिना ने ओसाका को हराया



वरीयता प्राप्त ओसाका ने दूसरे सेट में आक्रामक शुरुआत की और अपनी सर्विस बचाती रही, लेकिन सातवें गेम में रायबाकिना ने अहम ब्रेक हासिल कर लिया। ओसाका को मैच के दौरान बाएं पैर में भी परेशानी हुई। इसके बावजूद उन्होंने मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन रायबाकिना ने 6-4 से दूसरा सेट जीतकर 66 मिनट में मैच खत्म कर दिया। इस हार के साथ 2018 और 2020 की यूएस ओपन चैंपियन ओसाका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। रायबाकिना अब क्वार्टर फाइनल में ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन से भिड़ेंगी।



मेधा शंकर इंडियाज गॉट लेटेन्ट के पैनल में शामिल हुईं

विक्रान्त मेसी के साथ '12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस मेधा शंकर एक बार फिर से समय रैना की वजह से चर्चा में हैं। मेधा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' में पहुंचीं। हाल ही में वो इस शो में पैनलिस्ट की लाइन में नजर आईं, जहां वरुण धवन भी इस पैनल का हिस्सा थे। मेधा को देखते ही सोशल मीडिया पर पुरानी चर्चा फिर से चेज हो गई। बता दें कि पिछले कुछ समय से मेधा शंकर और समय रैना के रिश्ते की काफी चर्चा है। दोनों कई मौकों पर साथ भी दिखे हैं। हाल ही में दोनों एक ही प्लाइट में सफर करते भी दिखे थे। हालांकि, दोनों में से किसी ने अब तक इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है। पिछले कुछ दिनों में 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' विवादों से दूर नहीं रहा है। 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' के लेटेन्ट एपिसोड में मेधा शंकर की मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। एपिसोड और उससे जुड़े वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी मौजूदगी को

समय रैना के साथ चल रही डेटिंग की अफवाहों से जोड़ना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मेधा के शो में आने पर रिएक्शन्स दीए। एक यूजर ने कमेंट किया 'अरे रुको!! मुझे मेधा पैनल में दिख रही हैं।' इन रिएक्शन्स के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं और बढ़ गईं। **समय रैना और मेधा शंकर को कई बार साथ देखा गया** रिपोर्ट्स के मुताबिक, समय रैना और मेधा शंकर को हाल ही में एक ही प्लाइट में सफर करते हुए देखा गया। इसके अलावा दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर भी साथ नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब दोनों को एक साथ देखा गया हो। जुलाई में भी उन्हें कई कार्यक्रमों में साथ देखा गया था। हालांकि, बार-बार साथ नजर आने के बावजूद मेधा शंकर और समय रैना ने अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। दोनों ने डेटिंग की खबरों पर अब तक सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देने से भी परहेज किया है।

पिछले कुछ दिनों में 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' एक बार फिर अपने कंटेन्ट और उससे जुड़े विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में शेरॉन वर्मा बतौर पैनलिस्ट नजर आई थीं। इस दौरान कश्मीरी-बिहारी जोक को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल हुआ और कई यूजर्स ने शो के कंटेन्ट पर सवाल उठाए। विवाद के बीच एपिसोड के कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद शो और उससे जुड़े लोगों को लेकर ऑनलाइन चर्चाएं तेज हो गईं। वहीं, शेरॉन वर्मा का नाम समय रैना के साथ भी जोड़ा जा चुका है। दोनों की साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर सामने आई चर्चाओं के बाद उनके रिश्ते को लेकर डेटिंग की अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, समय और शेरॉन दोनों ने सार्वजनिक तौर पर इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है।

जून में हुआ था 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' सीजन 2' का प्रीमियर 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' के दूसरे सीजन का प्रीमियर जून में हुआ था। शो का पहला

एपिसोड 20 जून को शाम 7 बजे प्रसारित किया गया। नए सीजन में भी शो का वही अंशोखा कॉमेडी फॉर्मेट देखने को मिल रहा है, जिसमें प्रतियोगियों, मेहमानों और पैनलिस्ट्स के बीच मजेदार और अप्रत्याशित बातचीत होती है। वहीं, मेधा शंकर की बात करें तो वह '12वीं फेल' में अपने अभिनय के लिए काफी लोकप्रिय हुई थीं।

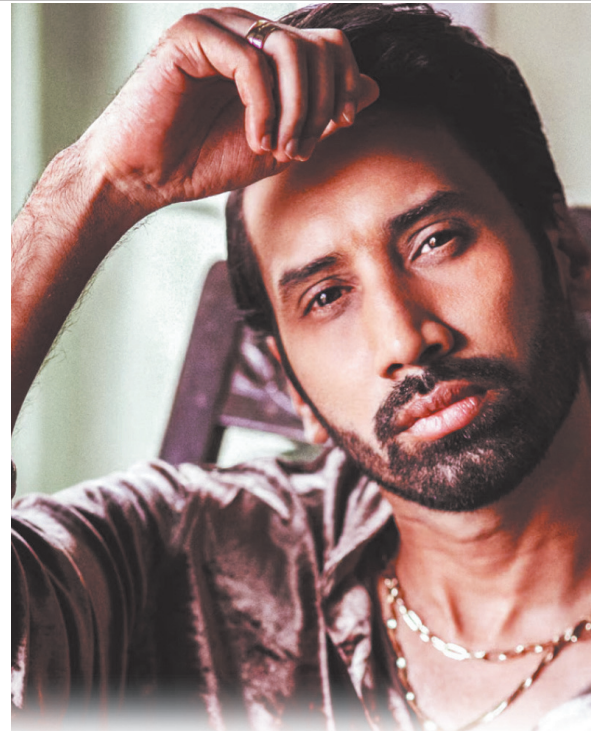


नजदीकियां में दिखेंगे निकिता दत्ता और ताहा शाह

धर्मा प्रोडक्शंस की डिजिटल कंपनी धर्माटिक एंटरटेनमेंट एक नई सीरीज लेकर आ रही है, जिसका नाम 'नजदीकियां' बताया जा रहा है। इस सीरीज का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर रुचिर अरुण करेंगे। इसमें निकिता दत्ता और ताहा शाह बहुता लीड रोल में नजर आएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। 'नजदीकियां' की कहानी आज के दौर के रिश्तों और उनकी जटिलताओं पर बेस्ड होगी। सीरीज में प्यार, शादी, जिम्मेदारियों और अपनी इच्छाओं के बीच फंसे लोगों की कहानी दिखाई जाएगी। कहानी में दो शादीशुदा जोड़ों की जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उनके जीवनसाथियों के बीच एक ऐसा रिश्ता बन जाता है, जो धीरे-धीरे बेहद गहरा होता



चला जाता है। 'नजदीकियां' की कहानी दो कपल्स के इर्द-गिर्द घूमेगी। शुरुआत में इन दोनों जोड़ों की जिंदगी सामान्य नजर आती है, लेकिन समय के साथ उनके रिश्तों में बदलाव आने लगता है। दोनों कपल्स के जीवनसाथियों में से दो लोग एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं। 'नजदीकियां' में आकांक्षा सिंह भी लीड रोल में नजर आएंगी। आकांक्षा टेलीविजन की लोकप्रिय एक्ट्रेस में रही हैं। उनके किरदार के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। सीरीज में परेश पाहुजा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। परेश इससे पहले 'बंदिश बैडिट्स' और 'चांद मेरा दिल' में नजर आ चुके हैं। उनकी एक्टिंग को ओटीटी दर्शकों ने भी पसंद किया है। सीरीज की शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू हो सकती है। इसके बाद इसे साल 2027 में प्राइम वीडियो पर रिलीज करने की योजना है।



अभिलाष थपलियाल ने सभी से तापसी की 'गांधारी' देखने की गुजारिश की

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, 'अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिक' से लेकर 'मुक', 'थप्पड़', 'मनमर्जिया' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, 'नेटफ्लिक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हरे बार नया



मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'यहां सर्वाइव करने का एक वीर चक्र होना चाहिए।' अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, 'तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बड़े चलो, चंद्र से बड़े चलो। वीर तुम बड़े चलो, धीर तुम बड़े चलो।' देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वर सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वर सिंह) और बेटी मिट्ठी के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेवेले स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिंसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूँढने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है।



नेपोटिज्म पर अरशद वारसी की अलग राय? स्टारकिड्स के बारे में कहा

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज्म पर बातें होती हैं। हाल ही में अभिनेता अरशद वारसी ने भी इस बारे में अपनी राय रखी। उनका मानना है कि इस मुद्दे को कंगना रनौत लेकर आईं। अरशद वारसी का कहना है कि भाई-भतीजावास से स्टारकिड्स के लिए पहला दरवाजा खुल सकता है, वे आगे कहां तक जाएंगे यह बात किसी की प्रतिभा पर निर्भर होती है। अभिनेता अरशद वारसी ने भाई-भतीजावाद की बहस को चर्चा में लाने का क्रेडिट कंगना रनौत को दिया है। अभिनेता का मानना है कि स्टार किड्स को फिल्म इंडस्ट्री में आसानी से एंट्री मिल जाती है। अरशद के मुताबिक, मशहूर सरनेम सिर्फ पहला दरवाजा ही खोल सकता है। कोई एक्टर वहां टिकेगा या नहीं, यह आखिरकार उसके टैलेंट के ऊपर है। अरशद वारसी ने फिल्मीज्ञान के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तब नेपोटिज्म कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, 'कंगना नेपोटिज्म का मुद्दा लेकर आईं और फिर यह बड़ा हो गया। हर कोई इसके बारे में बात करने लगा।' अरशद ने यह माना कि नेपोटिज्म मौजूद है। मगर, साथ ही कहा कि इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मानना है कि बिना प्रतिभा के कोई भी एक्टर बहुत आगे नहीं बढ़ सकता। एक्टर के मुताबिक, नेपोटिज्म का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे जल्दी मौका मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि उनके लिए दरवाजा जल्दी खुल जाए, लेकिन अगर आपमें टैलेंट नहीं है, तो वह दरवाजा जल्दी ही बंद भी हो जाता है।' अरशद का कहना है कि वह अपने बच्चों पर सफल होने का दबाव नहीं डालना चाहते और न ही इस बात की चिंता करना चाहते हैं कि वे फेल होंगे या क्या होगा। इसके बजाय, वह चाहते हैं कि वे एक्टिंग को एक कला के तौर पर समझें और अगर वे इसे अपनाना चाहें, तो इसके लिए पूरी तरह तैयार रहें। एक्टर ने यह भी कहा कि आज फिल्म इंडस्ट्री में आने वाले युवा पहले से कहीं ज्यादा तैयारी के साथ आते हैं, इसलिए जो लोग एक्टर बनना चाहते हैं, उनके लिए अपनी कला को गंभीरता से लेना जरूरी है।



साइकोलॉजिकल ड्रामा में दिखेगी वेदिका पिंटो, लक्ष्य के साथ बनेगी नई जोड़ी

मुंबई 'मुसाफिर कैफे' में अपनी एक्टिंग से ध्यान खींचने वाली वेदिका पिंटो अब लक्ष्य के साथ स्क्रीन पर एकदम फ्रेश जोड़ी के रूप में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस इस नई कहानी में अपने किरदार के जरिए एक नया और एक्साइटिंग रंग भरने के लिए तैयार हैं। 'राख' से अपनी खास पहचान बनाने के बाद फिल्ममेकर प्रोसीत रॉय अब अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म में लक्ष्य के साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि यह कोई टिपिकल रोमांस नहीं, बल्कि प्यार के साथ साइकोलॉजिकल थ्रिलर का ऐसा कॉन्टेनल है, जो कहानी को काफी इंटरिंग बनाने वाला है। 'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'द बाईस ऑफ बॉलीवुड' जैसे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अपनी वर्सैटिलिटी दिखा चुके लक्ष्य अब इस फिल्म में एक और ज्यादा लेयर्ड और अनप्रेडिक्टबल किरदार एक्सप्लोर करते नजर आएंगे। यानी इस बार लक्ष्य का अंदाज होगा थोड़ा हटके और कहानी होगी उससे भी ज्यादा सरप्राइजिंग! अपने डिस्ट्रिक्टिव स्टोरीटेलिंग स्टाइल के लिए पहचाने जाने वाले प्रोसीत रॉय इस बार रोमांस को साइकोलॉजिकल थ्रिलर के साथ पेश करने वाले हैं।



'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर बोलीं क्रिस्टल डिसूजा

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी की चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 'ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ

आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है। क्रिस्टल के कहा, 'इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।' जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के

दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनले तक मल्लिका शोरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।



